बारहवीं रात: प्रेम, भ्रम और हास्य का नाटक (Twelfth Night: A Play of Love, Confusion, and Laughter)

विलियम शेक्सपियर द्वारा रचित "बारहवीं रात" (Twelfth Night) एक रोमांटिक कॉमेडी है, जो इलारिया के काल्पनिक देश में घटित होती है। यह नाटक प्रेम, लिंग और पहचान के विषयों की पड़ताल करता है और पात्रों के बीच उलझी हुई भावनाओं और भ्रमों के जाल के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन करता है।

कहानी का सार (Story Summary):

नाटक की शुरुआत में, वियोला और सेबस्टियन, जुड़वां भाई-बहन जहाज के डूबने से बिछड़ जाते हैं। वियोला, यह सोचकर कि उसका भाई मर चुका है, इलारिया में पुरुष के वेश में "सेसरियो" नाम से रहने लगती है। ड्यूक ओर्सिनो ओलिविया नामक एक धनी महिला के प्यार में पागल है, लेकिन ओलिविया ने हाल ही में अपने पिता और भाई को खो दिया है और सात साल तक शादी करने से इनकार करती है। ड्यूक ओलिविया को मनाने के लिए सेसरियो को अपना दूत बनाकर भेजता है, लेकिन ओलिविया को भ्रम हो जाता है और वह सेसरियो (वस्तुतः वियोला) से प्यार करने लगती है।

इस बीच, सेबस्टियन इलारिया पहुंचता है और वियोला को ढूंढने की कोशिश करता है। वह ओलिविया से मिलता है, जो उसे सेसरियो समझ लेती है और उससे शादी कर लेती है। वहीं, वियोला, ड्यूक के लिए अपनी बढ़ती भावनाओं से जूझ रही होती है।

नाटक में एक हास्यपूर्ण उप-कथा भी चलती है, जिसमें सर टोबी बेल्च और उनके मित्र मारिया, सर एंड्रयू एगुएचेक और फेस्ट (एक विदूषक) शामिल हैं। वे ओलिविया के विवेकपूर्ण स्टीवर्ड, मालवोलियो को मूर्ख बनाने और उसका अपमान करने की शरारत करते हैं।

कहानी में कई उलटफेर आते हैं। वियोला और सेबस्टियन का पुनर्मिलन होता है, जिससे असली पहचान का खुलासा होता है। ओलिविया को पता चलता है कि वह जिससे शादी की है, वह वास्तव में सेबस्टियन है। ड्यूक को भी वियोला के असली रूप का पता चलता है और वह उससे प्यार का इजहार करता है। अंततः, ड्यूक और वियोला, और सेबस्टियन और ओलिविया की शादी होती है, जबकि सर टोबी और मारिया भी शादी कर लेते हैं।

विषय और प्रतीक (Themes and Symbols):

- प्रेम: नाटक का केंद्र प्रेम का जटिल विषय है। पात्र विभिन्न प्रकार के प्रेम - एकतरफा प्रेम, जुनूनी प्रेम, भ्रमित प्रेम और सच्चा प्रेम - का अनुभव करते हैं। नाटक इस बात पर सवाल उठाता है कि प्यार को कैसे परिभाषित किया जाए और यह हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करता है।

- भ्रम और छल: नाटक में पात्रों की गलत पहचान और छल कपट के कारण कई भ्रम पैदा होते हैं। यह भ्रम हास्यपूर्ण स्थितियों को जन्म देता है, लेकिन साथ ही यह भी दिखाता है कि कैसे धारणाएं और दिखावे भ्रम पैदा कर सकते हैं।
- पहचान: नाटक पहचान के मुद्दों की भी पड़ताल करता है। वियोला अपने असली रूप को छिपाकर पुरुष के वेश में रहती है, जिससे यह सवाल उठता है कि हमारी पहचान क्या है और यह कैसे निर्धारित होती है।
- वेषभूषा: नाटक में वेषभूषा एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। वियोला का पुरुष का वेश धारण करना नाटक के कई भ्रमों का कारण बनता है।

निष्कर्ष (Conclusion):

Twelfth Night summary in hindi, जो प्रेम, भ्रम और पहचान के जटिल विषयों की पड़ताल करता है। यह नाटक हास्य, रोमांस और गंभीरता का एक दिलचस्प मिश्रण प्रस्तुत करता है, जो दर्शकों को हंसाता है और साथ ही सोचने पर मजबूर करता है।